देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 14.05.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देहरादून में "तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा" निकाली गई।
- मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कैंचीधाम के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।
- प्रदेश में आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा आज से शुरू हो गई है।
- चमोली जिले के ज्योतिर्मठ नगर में भू–धसाव की रोकथाम और सुरक्षा कार्यों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद शुरु की।

तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आज देहरादून के शौर्य स्थल चीड़बाग से गांधी पार्क तक भव्य "तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा" का आयोजन किया गया। यह यात्रा हाल ही में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सफलतापूर्वक चलाए गए "ऑपरेशन सिंदूर" की ऐतिहासिक विजय को समर्पित रही। हजारों की संख्या में आमजन, पूर्व सैनिक, युवा वर्ग और मातृशक्ति ने तिरंगे के साथ पद यात्रा में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शौर्य स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले वीर सैनिकों, वायु सेना, नौसेना और सभी सुरक्षा बलों को नमन करते हुए कहा कि भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत किसी भी आतंकी चुनौती का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। अब देश की सीमाओं की रक्षा अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वीर भूमि है, जहाँ का लगभग हर परिवार देशसेवा से जुड़ा है। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे सेना और सुरक्षा बलों के अनुशासन, शौर्य और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' को प्रत्येक वर्ष मनाए जाने का आह्वान किया।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कैंचीधाम के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कैंचीधाम में सप्ताहांत में लगने वाले जाम को देखते हुए इसके लिए व्यापक योजना तैयार किए जाने की आवश्यकता है। सचिवालय में कैंचीधाम में यातायात व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि कैंचीधाम बाजार की मुख्य सड़क का चौड़ीकरण व सुधारीकरण कार्य तत्काल शुरू किया जाए। इसके लिए मिसिंग लिंक से बजट उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कैंचीधाम में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ बढ़ने की सम्भावना को देखते हुए कैंचीधाम के लिए मास्टर प्लान की सख्त आवश्यकता है। उन्होंने इसके लिए प्रस्ताव तैयार किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्थानीय लोगों के लिए वैकल्पिक मार्गों को सुदृढ़ करने, नए पार्किंग स्थल विकसित करने

और धाम के लिए एक व्यवस्थित शटल सेवा शुरू करने के भी निर्देश दिए। साथ ही मोबिलिटी प्लान तैयार करने की बात कही, ताकि वीकेंड में लगने वाले जाम को नियंत्रित किया जा सके।

दिशा बैठक

केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा की अध्यक्षता में अल्मोड़ा में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति यानी दिशा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री टम्टा ने उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, जल जीवन मिशन, मनरेगा, पीएमजीएसवाई और सिंचाई सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा की। उन्होंने जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के कार्यों में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही जिलाधिकारी को प्रत्येक सप्ताह विभागीय कार्यों की समीक्षा करने को कहा। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि बैठक में कई प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने पर जोर देते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार सभी योजनाओं का क्रियान्वयन मिशन मोड पर हो, इसके लिए विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

आदि कैलाश यात्रा

प्रदेश में आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा आज से शुरू हो गई है। आज नैनीताल जिले के काठगोदाम से यात्रा के लिए लगभग 20 सदस्यीय पहले दल को विधिवत रवाना किया गया। इस दल में उत्तराखंड, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के यात्री शामिल हैं। यह दल नैनीताल, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ के विभिन्न मंदिरों के दर्शन करने के साथ ही गूंजी पहुंचेगा। जहां से जॉलिंगकोंग में आदि कैलाश और नाभीढांग में ओम पर्वत के दर्शन किए जाएंगे। वहीं, श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया।

वहीं, कुमाऊं मंडल विकास निगम ने यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। अब तक 102 श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए पंजीकरण किया है।

ज्योतिर्मठ सुरक्षा कार्य

चमोली जिले के ज्योतिर्मठ नगर में भू –धसाव की रोकथाम और सुरक्षा कार्यों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद शुरु कर दी है। इस संबंध में जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सभी रेखीय विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने नगर में किए जाने वाले पुनर्निर्माण और सुरक्षा कार्यों को समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पहले चरण में सीवरेज, ड्रेनेज और स्लोप स्टेबलाइजेशन के कार्य सुनील वार्ड से शुरू करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व उन्होंने अधिकारियों को टीम गठित कर संयुक्त निरीक्षण कर एक सप्ताह में योजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभावितों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर आपदा सुरक्षा और पुनर्निर्माण कार्य करने की बात कही।

गौरतलब है कि ज्योतिर्मठ नगर में हो रहे भू–धसाव के सुरक्षा कार्यों के लिए केंद्र सरकार की ओर से पहली किश्त स्वीकृत की गई है। इससे नगर के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कार्य किए जाने हैं।

कौशल विकास मंत्री

कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान– आईटीआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में यह सुनिश्चित किया गया कि कैसे राज्य में प्रशिक्षित युवाओं को इंडस्ट्री के अनुरूप अवसर मिल सकें। इस अवसर पर श्री बहुगुणा ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आईटीआई और उद्योगों के बीच सहयोग को मजबूत करना, कौशल अन्तर को कम करना और उत्तराखण्ड के युवाओं के लिए सार्थक करियर के रास्ते तैयार करना है।

केदारनाथ स्वच्छता

रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ सहित पैदल मार्ग के यात्रा पड़ावों पर नियमित साफ–सफाई और कूड़ा निस्तारण के लिए आवासीय व व्यापारिक प्रतिष्ठानों से डोर–टू–डोर कूड़ा का उठान किया जा रहा है। इस बार सूखा और गीला कूड़ा को अलग–अलग एकत्रित कर निस्तारण के लिए सोनप्रयाग भेजा जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस खाती ने बताया कि बाबा केदार के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं का अनुभव सुखद हो, इसके लिए शासन–प्रशासन द्वारा नियमित प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए प्रतिदिन यात्रा मार्ग से केदारपुरी तक साफ–सफाई की जा रही है। केदारनाथ में सुलभ इंटरनेशनल और नगर पंचायत के पर्यावरण मित्र प्रतिदिन दो–दो बार होटल और अन्य आवासीय भवनों से कूड़ा एकत्रित कर रहे हैं। यात्रा मार्ग पर संचालित दुकानों से भी कूड़ा एकत्रित किया जा रहा है। प्रशासन और नगर पंचायत के सहयोग से धाम और यात्रा मार्ग पर जैविक और अजैविक कूड़ा अलग किया जा रहा है। जैविक कूड़ा धाम में ही निस्तारित किया जा रहा है। वहीं, अजैविक और प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर निस्तारण के लिए सोनप्रयाग भेजा जा रहा है। सोनप्रयाग स्थित कॉम्पैक्टर में प्रतिदिन करीब तीन क्विंटल कूड़ा निस्तारित किया जा रहा है। उधर, नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि मंदिर परिसर, हेलिपैड, आस्था पथ और मंदिर मार्ग सहित भैरवनाथ मार्ग पर 55 पर्यावरण मित्र तैनात किए गए हैं। वहीं, सुलभ इंटरनेशनल के 550 पर्यावरण मित्र पैदल मार्ग और धाम को साफ–सुथरा बनाने में जुटे हैं।